एम. एल. झिंगन

लोक वित्त एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

PUBLIC FINANCE AND INTERNATIONAL TRADE

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

भाग एक
लोक वित्त
(Public Finance)

1. **सार्वजनिक वित्त का अर्थ, विषय-क्षेत्र एवं महत्व** 1-7
(Meaning, Scope and Importance of Public Finance).
अर्थ; सार्वजनिक वित्त की प्रकृति; सार्वजनक वित्त का विषय क्षेत्र; सार्वजनिक एवं निजी वित्त में अन्तर; सार्वजनिक वित्त का महत्त्व; प्रश्न।

2. **सार्वजनिक वस्तुएं, निजी वस्तुएं और बाजार विफलता** 8-18
(Public Goods, Private Goods and Market Failure)
सार्वजनिक वस्तुएं; निजी वस्तुएं; बाजार विफलता तथा सरकार का कार्यभाग; प्रश्न।

3. **अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम** 19-21
(The Principle of Maximum Social Advantage)
अर्थ; सामाजिक लाभ का अधिकतमीकरण; प्रश्न।

4. **कर एवं कराधान के नियम** 22-38
(Taxes and Principles of Taxation)
प्रस्तावना; सार्वजनिक आय या राजस्व के स्रोत; एक अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएं; आनुपातिक आरोही तथा अवरोही कर; प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर; कराधान के नियम; प्रश्न।

5. **कराधान के सिद्धांत** 39-47
(Theories of Taxation)
प्रस्तावना; सेवा का लागत सिद्धांत; लाभ सिद्धांत; देय क्षमता सिद्धांत; प्रश्न।

6. **करापात, करांतरण तथा कर प्रभाव** 48-59
(Incidence, Shifting and Effects of Taxes)
वस्तु कराधान का भार; करापात तथा करांतरण; एकाधिकार के अन्तर्गत कराधान का भार; कराधान के प्रभाव; प्रश्न।

7. **करयोग्य क्षमता** 60-64
(Taxable Capacity)
अर्थ; कर योग्य क्षमता निर्धारित करने वाले तत्व; कर योग्य क्षमता की सीमा; कर-योग्य क्षमता का माप; प्रश्न।

8. **सार्वजनिक व्यय का अर्थ एवं वर्गीकरण** 65-72
(Meaning and Classification of Public Expenditure)
अर्थ; सार्वजनिक व्यय का वर्गीकरण; विभिन्न वर्गीकरण; प्रश्न।

9. **सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत** 73-79
(Theories of Public Expenditure)

Scanned by TapScanner

वैगनर का नियम; आरेखी व्याख्या; वाइजमैन-पीकौक उपकल्पना; कोलिन क्लार्क की क्रांतिक-सीमा उपकल्पना; प्रश्न।

10. **सार्वजनिक व्यय के नियम, प्रभाव तथा वृद्धि** 80-89
(Canons, Effects and Growth of Public Expenditure)
सार्वजनिक व्यय के नियम; सार्वजनिक व्यय के प्रभाव; सार्वजनिक व्यय की वृद्धि; भारत में सार्वजनिक व्य में वृद्धि के कारण; प्रश्न।

11. **सार्वजनिक ऋण** 90-106
(Public Debt)
सार्वजनिक ऋण से अभिप्राय; सार्वजनिक व निजी ऋण में अन्तर; सार्वजनिक ऋण तथा कर; सार्वजनिक ऋण के प्रकार; सार्वजनिक ऋण की आवश्यकता; सार्वजनिक ऋण के प्रभाव; सार्वजनिक ऋण का भार; सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन; सार्वजनिकऋण का विमोचन; आर्थिक विकास में सार्वजनिक ऋण की भूमिका; प्रश्न।

12. **सार्वजनिक बजट** 107-115
(Public Budget)
सार्वजनिक बजट का अर्थ; सार्वजनिक बजट का उद्देश्य; बजट के प्रकार; बजट का आर्थिक एवं कार्यात्मक वर्गीकरण; भारत में बजट की तैयारी एवं पास करना; प्रश्न।

13. **घाटे का वित्त प्रबंधन** 116-122
(Deficit Financing)
अर्थ; घाटे के वित्त-प्रबंधन के उद्देश्य; घाटे का वित्त-प्रबंधन तथा स्फीति; प्रश्न।

14. **राजकोषीय नीति : स्थिरताएवं आर्थिक वृद्धि** 123-127
(Fiscal Policy : Stability and Economic Growth)
अर्थ; राजकोषीय नीति के उद्देश्य; राजकोषीय नीति के औजार; प्रश्न।

15. **भारतीय संघीय वित्त : केन्द्र-राज्य वित्तीय संबंध** 128-145
(Indian Federal Finance : Central-State Financial Relations)
प्रस्तावना; वित्तीय संबंध; वित्त आयोग; दसवां वित्त आयोग; ग्यारहवां वित्त आयोग; वित्त आयोग की सिफारिशों की समीक्षा; वित्त-आयोग के कार्यकरण में सुधार के सुझाव; प्रश्न।

16. **भारत में केन्द्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व तथा व्यय की प्रवृत्तियां** 146-152
(Trends in Tax Revenue and Expenditure of Centre and State Governments in India)
केन्द्र के कर राजस्व की प्रवृत्तियां; केन्द्र के व्यय की प्रवृत्तियां; राज्य सरकारों के राजस्व एवं व्यय की प्रवृत्तियां; प्रश्न।

भाग दो
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
(International Trade)

17. **अंतरक्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख लक्ष्ण** 153-160
(Distinguishing Features of Inter-Regional and International Trade)

Scanned by TapScanner

प्रस्तावना; अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन का महत्व; अन्तरक्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भिन्नताएं; अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में समानताएं; प्रश्न।

18. **तुलनात्मक लागत का सिद्धांत** 161–169
(The Theory of Comparative Costs)
प्रस्तावना; तुलनात्मक लागत सिद्धांत; सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न।

19. **हैबरलर का अवसर लागत सिद्धांत** 170–179
(Haberler's Theory of Opportunity Cost)
प्रस्तावना; अवसर लागत सिद्धांत; आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न।

20. **मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धांत** 180–185
(Mill's Dictrine of Reciprocal Demand)
प्रस्तावना; प्रश्न।

21. **हैक्शर-ओलिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत** 186–193
(Heckscher-Ohlin Theory of International Trade)
प्रस्तावना; सिद्धांत का वक्तव्य; प्रश्न।

22. **व्यापार से लाभ** 194–203
(The Gains From Trade)
अर्थ; व्यापार से लाभ का मापना; व्यापार से लाभ को निर्धारित करने वाले कारक; व्यापार से लाभ और आय वितरण; व्यापार से स्थैतिक और गत्यात्मक लाभ; प्रश्न।

23. **व्यापार की शर्तें** 204–217
(The Terms of Trade)
व्यापार की वस्तु या शुद्ध वस्तु विनिमय शर्तें; सकल वस्तु-विनिमय व्यापार की शर्तें; व्यापार की आय शर्तें; व्यापार की द्विघटकीय शर्तें; व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें; व्यापार की उपयोगी शर्तें; व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक; व्यापार की शर्तों का महत्त्व; प्रश्न।

24. **मुक्त व्यापार और संरक्षण नीति** 218–234
(Free Trade and Protection Policy)
मुक्त व्यापार; संरक्षण; अल्पविकसित देशों में संरक्षण की आवश्यकता; प्रश्न।

25. **प्रशुल्क** 235–246
(Tariffs)
अर्थ और प्रकार; प्रशुल्कों के प्रभाव; इष्टतम प्रशुल्क; प्रश्न।

26. **आयात कोटा** 247–259
(Import Quotas)
अर्थ और प्रकार; आयात कोटा के उद्देश्य; आयात-कोटा के प्रभाव; प्रशुल्कों तथा कोटा की समानता; आयात कोटा बनाम प्रशुल्क; आयात कोटा और प्रशुल्क के गुण एवं दोष; प्रश्न।

27. **भुगतान शेष : अर्थ और घटक** 260–272
(Balance of Payments : Meaning and Components)
अर्थ; भुगतान शेष के घटक; क्या भुगतान शेष हमेशा संतुलन में होते हैं ?; व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान शेष में असंतुलन; भुगतान शेष असंतुलन के परिणाम; प्रतिकूल (या घाटे के) भुगतान शेष को ठीक करने के उपाय; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

28. विदेशी विनिमय दर 273-290
(Foreign Exchange Rate)
विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विनिमय दर के सिद्धांत; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न।

29. विदेशी विनिमय दर नीति 291-299
(Foreign Exchange Rate Policy)
प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; प्रश्न।

30. अवमूल्यन 300-305
(Devaluation)
अर्थ; अवमूल्यन के कारण; अवमूल्यन के प्रभाव; अवमूल्यन की सीमाएं अथवा सफलता के लिए शर्तें; प्रश्न।

31. विदेश व्यापार गुणक 306-312
(Foreign Trade Multiplier)
विदश व्यापार गुणक काकार्यकरण; विदेश व्यापार का अल्पविकसित देशों में महत्व अथवा व्यवहार्यता; प्रश्न।

32. विदेशी व्यापार तथा आर्थिक वृद्धि 313-319
(Foreign Trade and Economic Growth)
प्रस्तावना; विदेशी व्यापार का महत्व; प्रश्न।

33. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष 320-336
(The International Monetary Fund)
प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एंव ढांचा; **IMF** का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न।

34. विश्व बैंक 337-346
(The World Bank)
कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी संरचना; निधीयन कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएं; विश्व बैंक के कार्यों की आलोचना; भारत तथा विश्व बैंक; प्रश्न।

35. प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार (गैट) 347-359
(GeneralAgreement on Tariffs and Trade—GATT)
प्रस्तावना; गैट क्या है ?; गैट के उद्देश्य; गैट के प्रावधान; विश्व-व्यापार वार्ताओं के गैट 'दौर'; गैट और विकासशील देश; गैट की आलोचनाएं; प्रश्न।

36. विश्व व्यापार संगठन 360-378
(World Trade Organisation)
प्रस्तावना; विश्व व्यापार संगठन; गैट तथा विश्व व्यापार संगठन में अन्तर; संरचना; उद्देश्य; कार्य; विश्व व्यापार समझौता; उरुगवे दौर और विश्व व्यापार समझौते का आलोचनात्मक मूल्यांकन;विश्व व्यापार संगठन का कार्यकरण; प्रश्न।

37. अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली 379-386
(International Monetary System)
अर्थ; ब्रेटन वुड्ज़ प्रणाली; ब्रेटन वुड्ज प्रणाली का भंग होना; वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

38. भारत में विदेशी व्यापार 387-416
(Foreign Trade in India)
प्रस्तावना; व्यापार का परिमाण; भारत के विदेशी व्यापार में ढांचागत परिवर्तन; व्यापार शेष; व्यापार की शर्तें; 1951 से भारत की भुगतान-शेष की स्थिति; 1990-91 में भुगतान शेष; प्रतिकूल भुगतान शेष के कारण; भुगतान शेष असन्तुलन को दूर करने के उपाय; भारत की 1991 से विदेश व्यापार सुधार नीति; नई विदेश व्यापार नीति, 2004-09; भारत का बाह्य ऋण; प्रश्न।

Scanned by TapScanner